झारखण्ड सरकार

झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पत्रांक :– रा0खा0आ0 (शि0)–10 / 2022 – 949

प्रेषक,

संजय कुमार
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

सेवा में,

सचिव
खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग,
झारखण्ड, राँची।

राँची, दिनांकः– 15.12.2022

विषयः– **राँची जिले के रातू प्रखण्ड के झखराटांड के सील किये गये गोदाम से 100 बोरो से अधिक चावल गायब हो जाने संबंधी प्रकाशित समाचार पर कार्रवाई के संबंध में।**

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में निदेशानुसार कहना है कि दैनिक समाचार पत्र "प्रभात खबर" एवं "हिन्दुस्तान" में दिनांक–06.12.2022 को रातू प्रखण्ड के झाखराटंड स्थित सील किये गये गोदाम से 100 से भी अधिक बोरा चावल गायब हो जाने संबंधी समाचार प्रकाशित हुआ है। इसी मामले में दैनिक समाचार पत्र "हिन्दुस्तान" में दिनांक–07.12.2022 को इस संबंध में रातू प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा प्राथमिकी दर्ज नहीं कराए जाने का खबर प्रकाशित हुआ है।

अतः उक्त प्रकाशित समाचार के कतरन की प्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए अनुरोध है कि उक्त मामले में आवश्यक कार्रवाई करने की कृपा की जाय।

अनु0–यथोक्त।

विश्वासभाजन

15/12/22

(संजय कुमार)
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पता–झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड के पुराने भवन का द्वितीय तल, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, राँची–834002
email-jharfoodcommission@gmail.com, Ph. No:-06512252267/2252261

111

हिन्दुस्तान दिनांक - 07-12-2022

13/12/22

राशन घोटाला में नहीं हुआ केस

डीएसओ के आदेश देने के 36 घंटे बाद भी रातू बीएसओ ने नहीं कराई प्राथमिकी

रातू, प्रतिनिधि। प्रखंड के झखराटांड़ स्थित निजी गोदाम से 100 बोरा से अधिक चावल घोटाले के मामले में सील खोलने के 36 घंटे बाद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई। ज्ञात हो कि डीएसओ अल्बर्ट बिलुंग ने 30 नवंबर को जांच करने के बाद निजी गोदाम को सील कर दिया था। डीएसओ ने कहा कि एक दिसंबर को गोदाम की सील खोलकर जांच की जाएगी। इसके बाद पांच दिनों तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। पांच दिसंबर को सील खोलने पर पता चला कि गोदाम से 100 बोरा से अधिक चावल गायब था।

इसके बाद डीएसओ ने कहा था कि राजधानी में इस तरह का यह पहला मामला है और रातू में माफियाराज कायम है। उन्होंने जांच के बाद निजी गोदाम संचालक सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता के खिलाफ बीएसओ मनोज कुमार को प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश दिया था। लेकिन बीएसओं ने आदेश के दूसरे दिन भी गोदाम संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई। इस संबंध में रातू थाना प्रभारी सपन महथा ने बताया कि इस मामले को लेकर विभाग की ओर से किसी प्रकार की कोई लिखित शिकायत नहीं की गई है।

यदि आपूर्ति विभाग इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराता है तो इसकी जांच जरूर की जाएगी।

गोदाम संचालक को बचाने का लगाया आरोप

इस संबंध में कुछ जानकारों ने बताया कि गोदाम संचालक को शुरू से बचाया जा रहा है। विभाग द्वारा जिस दिन दुकान सील की गई थी उसी दिन दंडाधिकारी नियुक्त कर गोदाम का ताला खोलकर उसकी जांच करनी थी। यदि ताला नहीं खोला गया तो गोदाम के बाहर सुरक्षा के लिए पुलिस बल की तैनाती करनी थी। गोदाम की सील भी पांच दिन बाद पांच नवंबर को खोली गई तब तक सीलबंद गोदाम से चावल की हेराफेरी हो चुकी थी। भाजपाइयों ने इसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

> सील गोदाम से राशन ग़ायब होने के मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है। कुछ पेपर दुरुस्त नहीं था जिसे पूरा करने के बाद प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।
>
> **-मनोज कुमार**, बीएसओ, रातू

(40)

प्रभात खबर- दिनांक- 06-12-2022

डीएसओ ने सील गोदाम का ताला खोल की जांच, पायी कई गड़बड़ियां

कार्रवाई

प्रतिनिधि, रातू

जिला आपूर्ति पदाधिकारी अल्बर्ट बिलुंग ने 30 नवंबर को झखराटांड स्थित सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता के दो गोदामों को सील कर दिया था. सोमवार को पांच दिन के बाद गोदाम का सील खोला गया. गोदाम के अंदर निरीक्षण में पाया गया कि एक गोदाम खाली था. एक गोदाम में करीब 20 प्लेट व ताजी रोटी व सलाद रखे हुए थे. दूसरे गोदाम में खाली ट्रक (जेएच-19ए-1578) व सैकड़ों प्लास्टिक के बोरे में भरे चावल थे. गोदाम में बिंदु कुमार ने स्टॉक व बिक्री पंजी प्रस्तुत की. वहीं जब्त चावल के सैंपलों को जांच के लिए आरसीएच नामकुम भेजा गया. जांच के बाद पता चलेगा कि चावल सरकारी है यां नहीं. गोदाम को सत्येंद्र गुप्ता के स्टाप के हवाले किया गया. पत्रकारों से श्री बिलुंग ने कहा कि राशन माफियाओं के साथ गठजोड़ की जांच की जा रही है. विभाग कड़ी कार्रवाई करेगी. इधर, विभागीय कार्रवाई के बाद राशन माफियाओं में हड़कंप है.

(109)

हिन्दुस्तान दिनांक - 06-12-2022

दुस्साहस : गोदाम की जांच करने पहुंचे डीएसओ ने कहा रातू में माफिया राज कायम

रातू में सीलबंद गोदाम से 100 बोरा से अधिक चावल गायब

कार्रवाई

रातू, प्रतिनिधि। सीलबंद गोदाम की जांच करने सोमवार को झखराटांड़ पहुंचे डीएसओ अल्बर्ट बिलुंग ने कहा कि रातू में माफिया राज है। राजधानी में यह पहली घटना है जब किसी ने सीलबंद गोदाम से माल गायब करा दिया हो।

उन्होंने सील खोलने के बाद देखा कि गोदाम के एक भाग में रखा 100 बोरा से अधिक सरकारी चावल गायब है। इतना ही नहीं जूट के बोरों में भरा चावल भी मायब था। वहीं गोदाम की झाडू मारकर साफ-सफाई कर दी गई थी। गोदाम को सील करनेवाले दिन 30 नवंबर को वहां बड़ी संख्या में लाइट ज़ल रही थी, परंतु सोमवार को बंद थी।

गोदाम में खाने के पत्तल, रोटी, मूली और सलाद बिखरे हुए थे। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि गोदाम में सील लगा ताला वैसा ही था जैसे सील किया गया था।

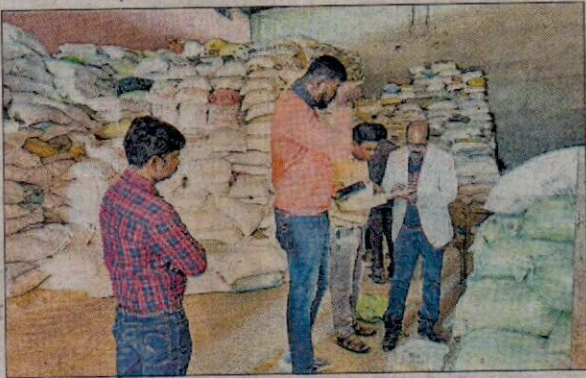

रातू के झखराटांड़ में सोमवार को गोदाम की जांच करते डीएसओ। • हिन्दुस्तान

अनाज के सैंपल को सील कर जांच के लिए भेजा

सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता का गोदाम दो भाग में बंटा है। एक भाग में वेल्डिंग का काम चलता है और दूसरे भाग को दो भाग में कर अनाज भंडारण का काम किया जाता है। इधर, एक भाग में रखे चावल से भरे जूट के बोरे गायब थे। वहीं दूसरे भाग में प्लास्टिक के बोरा में चावल के सैकड़ों बोरे भरे पड़े थे। सोमवार को गोदाम का सील खोलने के बाद डीएसओ ने सभी अनाज के सैंपल को सील कर जांच के लिए आरसीएच नामकुम भेजा। उन्होंने कहा कि सैंपल की जांच के बाद पता चलेगा कि गोदाम के दूसरे हिस्से में रखा चावल सरकारी राशन दुकान का है या फिर बाजार का।

30 नवंबर को राशन गोदाम में लाइटें जल रही थीं

- सोमवार को जांच करने पर गोदाम की लाइटें बंद थीं
- गोदाम में खाने के पत्तल रोटी और सलाद बिखरे थे

क्या कहते हैं डीएसओ

डीएसओ अल्बर्ट बिलुंग ने स्थानीय पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि गोदाम संचालक ने सरकारी नियमों की अनदेखी कर गोदाम से माल की हेराफेरी की है। यह गोदाम 30 नवंबर को सीलबंद किया गया था, परंतु रातोरात राशन गायब किया गया है। इसकी जांच की जाएगी। जांच के बाद दोषी लोगों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने रातू थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने कीं बात कही। हालांकि समाचार लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई थी।